


RESSA
RELIVE YOUR CULTURE
रेसा

सूरमा


"काजल लागे किरकरो, और सुरमा सहा ना जाए ।
जिन नैनां में तू बसे, दूजा कौन समाये"



RESSA
रेसा

सूरमा

वो चीर कोई सूरमा लगता है कहीं का
ज़ेवर न चुरा पाया तो थमशीर चुरा ली





RESSA
रेसा

वो चोर कोई सुरमा लगता है कहीं का
जुकर न सुरा पाया तो शमशेर दुरा सी





RESSA

रेसा

जो चोर कोई सुरमा लगता है कहीं का
किन्तु न चुरा पाया तो थमधीर चुरा ली







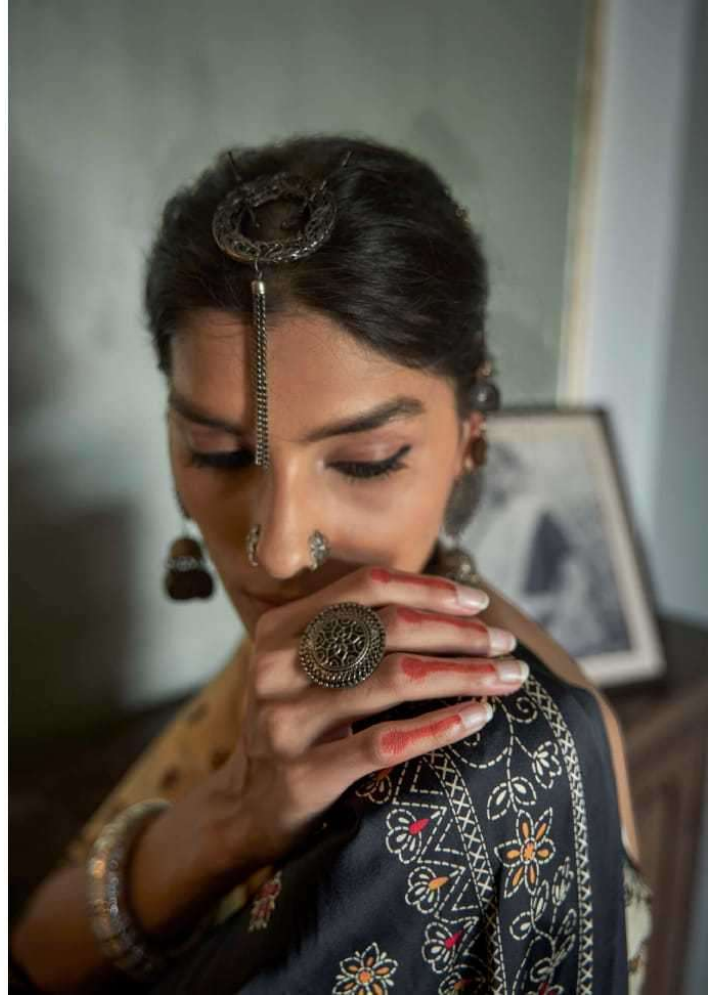
RESSA

सूरमा
मौ चोम कोरुं सूरमा लजाता हे कहीं का
खिर न सुरा योया तो याम्भीर तुरा ली






रेसा
"काजल लागे किरकरो,और सुस्मा सहा ना जाए ।
बिन मेरों में दू बसे, दूजा कौन समाये"







RESSA
रेखा
कामरुत लागे किरकरो और सुरमा सदा ना जाए ।
जिन जिन में तू बसे, दुखा कोन समाये





RESSA

रेसा

“काजल लागे किरकरी और सुरमा सहा ना जाए
खिन नना में तु खस दूजा कान समाके”



सुरमा
104



सूरमा /101



सूरमा /102



सूरमा /103



सूरमा /104



सूरमा /105



सूरमा /106

RESSA
रसा



सूरमा /107



सूरमा /108

सूरमा

यो पोरे कर्नेई सुूरमा लफज है कही का
लेखर न छुटा पया तो बरम्भोर छुटा हो



RESSA
RELIVE YOUR CULTURE
रेसा

सूरमा

"काजल लागे किरकरो, और सुरमा सहा ना जाए ।
जिन नैनां में तू बसे, दूजा कौन समाये"